Series &RQPS/S

SET-2

प्रश्न-पत्र कोड **29/S/2**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या* ***14*** *है ।* ***सभी*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में* ***दो*** *खण्ड हैं — खण्ड अ और ब ।*

(iii) ***खण्ड अ*** *में 40 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी उप-प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(iv) ***खण्ड ब*** *में 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(v) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।*

(vi) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न) 40 अंक

1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *8×1=8*

जब-जब दुख की रात घिरी तब-तब मैं गाना
खुलकर गाता रहा, अँधेरे में स्वर मेरा
और उदात्त हो गया, सीखा नहीं छिपाना
मैंने मन के भाव, देखकर घोर अँधेरा ।
दीप स्वरों के पथ पर रखता मैं एकाकी
बढ़ता रहा, रुका कब ? इनकी उनकी आशा
मुझे नहीं थी विषपायी था, कभी सुधा की
चाह नहीं की, न ही अमरता की परिभाषा
गढ़ने बैठा, डर क्या है, अब वह भी बीते
जो बाकी है, आघातों प्रत्याघातों में
नया सत्य आएगा, हार नहीं मैं जीते
जी मानूँगा, और लड़ूँगा उत्पातों में
दुख के गाने कंठ-कंठ के हैं पहचाने
सबके प्राण तड़पते हैं जाने-अनजाने ।।

(i) पद्यांश में कवि ने मन के भावों को क्या माना है ?
   (A) बादलों की गड़गड़ाहट (B) घोर अँधेरा
   (C) संगीत की ध्वनि (D) जल प्रवाह

(ii) कवि ने विपरीत परिस्थितियों का सामना किया :
   (A) डरकर (B) गाकर
   (C) खुलकर (D) रोकर

(iii) घोर अँधेरी रात देखकर कवि ने क्या किया ?
   (A) मार्ग प्रशस्त करने के लिए अकेला ही आगे बढ़ गया ।
   (B) अपने-परायों से सहायता की उम्मीद की ।
   (C) अंधकार से भयभीत होकर पीछे हट गया ।
   (D) अपने-परायों की सहायता से आगे बढ़ गया ।

(iv) कवि ने अमृत की चाह क्यों नहीं की ?

(A) उसे अमृत दुखदायी लगता था ।

(B) वह विष पीने का आदी था ।

(C) उसे अमृत अच्छा नहीं लगता था ।

(D) वह अमर नहीं होना चाहता था ।

(v) "आघातों-प्रत्याघातों में" का आशय है :

(A) विघ्न बाधाओं में

(B) वाद-विवाद में

(C) विचारों के समूह में

(D) तर्क-वितर्क में

(vi) कवि का उद्‌घोष क्या है ?

(A) हार स्वीकार कर लेने का

(B) हार नहीं स्वीकारने का

(C) जीवन भर हारते रहने का

(D) पराजय में आनंदित होने का

(vii) 'उत्पातों' शब्द से कवि का अभिप्राय है :

(A) उल्कापातों से

(B) उपद्रवों से

(C) ऊपर उठकर गिरने से

(D) आमंत्रणों से

(viii) 'दुख की व्यथा सर्वव्यापी है' – इस भाव को व्यक्त करने वाली पंक्ति है :

(A) सबके प्राण तड़पते हैं जाने-अनजाने

(B) हार नहीं जीते जी मानूँगा

(C) और लड़ूँगा उत्पातों से

(D) आघातों प्रत्याघातों में नया सत्य आएगा ।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

सुख तथा दुख में साथ देने वाला तथा समान क्रिया वाला मित्र कहलाता है । वस्तुत:, मित्रता दो हृदयों को बाँधने वाली प्रेम की डोर है । मनुष्य जीवन के पथ पर एकाकी चलने में कठिनाई का अनुभव करता है, उसे ऐसे व्यक्ति की खोज रहती है जो उसके हर्ष और विषाद में साथ देने वाला हो, जिसके सामने वह मन-प्राणों की कोई लिपि गुप्त न रहने दे, जिसके ऊपर अपने विश्वास की दीवार खड़ी कर सके । अत: मित्रता मन की वह प्यास है जिसके लिए मनुष्य तड़पता रहता है और वह व्यक्ति बड़ा ही भाग्यवान् है जिसकी यह प्यास बुझ जाती है । इसलिए मित्रता का बड़ा गुणगान किया जाता है ।

बाइबिल में कहा गया है कि 'एक विश्वासी मित्र जीवन के लिए महौषध है' । सच्चे मित्र जीवन में आनन्द की वर्षा करते हैं । सन्मित्र जीवन के निराधार सागर में सुदृढ़ कर्णधार की भाँति प्रेम नाव लेकर उस पार लगा देते हैं ।

किन्तु यदि मित्रता असली हो तब तो वह स्वर्गीय प्रकाश है, यदि नकली हो तो नारकीय अंधकार । सच्ची मित्रता फॉस्फोरस की तरह ज्योति फैलाकर मित्र के संकट के अंधकार को क्षणभर में दूर कर देती है । सज्जनों से मित्रता की छाया दोपहर के बाद की छाया की तरह बढ़ती जाती है । इसके विपरीत दुष्टों से मित्रता सुबह की छाया की तरह पहले तो काफी बड़ी लगती है लेकिन बीच दोपहर में ही छोटी हो जाती है । अत: मित्र के चयन में सावधानी रखनी चाहिए ।

सच्चा मित्र, मित्र की सदा भलाई चाहता है, उसके लिए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए भी तैयार रहता है । वह बराबर अपने मित्र को बुरे मार्ग पर जाने से रोकता है तथा सुपथ पर चलाने का प्रयास करता है । ठीक इसके विपरीत कपटी मित्र बड़े घातक होते हैं, उनकी मित्रता केवल शब्दों की मित्रता होती है । ये मित्र को ललकारकर आगे तो बढ़ा देते हैं किन्तु पीछे से लंगी मारने में इन्हें न संकोच होता है और न लाज ही लगती है । मित्रों के पास ये तभी तक मँडराते रहते हैं जब तक उनके पास लुटाने को पैसे होते हैं किन्तु दीनता और संकट में साथ छोड़ देते हैं । ऐसे मित्रों को उस कुंभ के समान छोड़ देना चाहिए जिसके ऊपर तो दूध हो और नीचे विष भरा हो । वे सचमुच भाग्यशाली हैं जिन्हें कोई सच्चा मित्र मिल जाता है । समान पुरुषों की मिताई हो जाय तो अच्छा, किन्तु यदि असमान स्थिति वाले सहृदय लोगों में वह मित्रता हो तो क्या कहना !

(i) गद्यांश के अनुसार मानव को जीवन में मित्र की तलाश क्यों रहती है ?

(A) दुख दूर करने के लिए

(B) दो हृदयों को बाँधने के लिए

(C) एकाकी जीवन की कठिनाइयों से बचने के लिए

(D) कठिन परिस्थितियों में मार्गदर्शन के लिए

(ii) सच्ची मित्रता का क्या लक्षण है ?

(A) मित्र के गुणों का बखान करना

(B) सुख-दुख में साथ निभाना

(C) जीवन में आनंद की वर्षा करना

(D) मित्र के साथ हास-परिहास करना

(iii) गद्यांश के अनुसार सज्जनों की मित्रता है :

(A) सुबह की घनी छाया

(B) दोपहर की छोटी छाया

(C) दोपहर बाद की छाया

(D) रात्रि की घनी छाया

(iv) 'दुर्जनों की मित्रता रूपी छाया दोपहर में ही छोटी हो जाती है ।' – इस कथन का आशय है :

(A) इनकी मित्रता कुछ समय के लिए ही होती है ।

(B) संकट आते ही दुर्जन मित्र को बीच में छोड़ देते हैं ।

(C) दोपहर की छाया दुर्जनों के समान होती है ।

(D) दोपहर का ताप दुर्जनों के समान कष्टदायी है ।

(v) वास्तविक मित्रता के लिए गद्यांश में कहा गया है :

(A) स्वर्गीय आभा

(B) स्वर्गीय सुमन

(C) नारकीय अंधकार

(D) स्वर्गीय प्रकाश

(vi) गद्यांश के आधार पर मित्रता कैसी होनी चाहिए ?

(A) दोपहर में ही कम हो जाने वाली धूप की तरह

(B) दोपहर के बाद की छाया की तरह

(C) सुबह की भरपूर छाया की तरह

(D) दिनभर की छाया की तरह बढ़ती-घटती

(vii) 'पीछे से लंगी मारना' का अर्थ है :

(A) लाठी मारना

(B) बाधा उपस्थित करना

(C) तलवार चलाना

(D) धोखा देना

(viii) गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन सही है ?

(A) सच्चा मित्र संकटों के पहाड़ को दूर करता है ।

(B) मित्र के दुख में दुखी न होने वाले व्यक्ति को देखने से पाप लगता है ।

(C) सच्चा मित्र अपने दुख से बड़ा मित्र का दुख मानता है ।

(D) मित्र की इच्छानुसार काम करने वाला व्यक्ति ही सच्चा मित्र है ।

(ix) गद्यांश में दीनता और संकट में साथ छोड़ने वाले मित्र की तुलना की गई है :

(A) नीचे विष ऊपर दूध से भरा कुंभ

(B) विष से भरा पूरा कुंभ

(C) दूध से भरा पूरा कुंभ

(D) नीचे दूध और ऊपर विष से भरा कुंभ

(x) गद्यांश में उत्तम मित्रता मानी गई है :

(A) असमान व्यक्तियों के बीच होने वाली

(B) समान व्यक्तियों के बीच होने वाली

(C) समान-असमान व्यक्तियों के बीच होने वाली

(D) दो अनजान व्यक्तियों के बीच होने वाली

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) जनसंचार के विभिन्न माध्यमों की सुंदरता होती है :

(A) छह ऋतुओं की छटा के समान

(B) इन्द्रधनुषी रंगों की छटा के समान

(C) वसंत ऋतु के दृश्यों के समान

(D) वर्षा की रिमझिम के समान

(ii) मुद्रित माध्यमों में लेखन के लिए आवश्यक होता है :

(A) भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान रखना

(B) प्रकाशन में समय की चिन्ता से मुक्त रहना

(C) समय और स्थान के अनुशासन की चिन्ता न करना

(D) भाषा संबंधी अशुद्धियों पर गौर न करना

(iii) जब कोई बड़ी खबर तत्काल दर्शकों तक पहुँचाई जाती है, तो उसे कहते हैं :

(A) लाइव (B) ब्रेकिंग न्यूज

(C) एंकरबाइट (D) फोन-इन

(iv) केवल इन्टरनेट पर मौजूद अख़बार का नाम है :

(A) प्रभात खबर (B) हिंदुस्तान टाइम्स

(C) प्रभासाक्षी (D) नवभारत टाइम्स

(v) सूचनाओं के साथ-साथ मनोरंजन पर भी ध्यान दिए जाने वाले सुव्यवस्थित, सृजनात्मक, आत्मनिष्ठ लेखन को कहते हैं :

(A) आलेख

(B) फ़ीचर

(C) संपादकीय

(D) विशेष लेखन

(पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

बूढ़ी माता, बोली "मैं तो बबुआ से कह रही थी कि जाकर दीदी को लिवा लाओ, यहीं रहेगी । वहाँ अब क्या रह गया है ? ज़मीन-जायदाद तो सब चली ही गई । तीनों देवर अब शहर में जाकर बस गए हैं । कोई खोज-खबर भी नहीं लेते । मेरी बेटी अकेली ... ।"

"नहीं मायजी ! ज़मीन-जायदाद अभी भी कुछ कम नहीं । जो है, वही बहुत है । टूट भी गई है, है तो आखिर बड़ी हवेली ही । 'सवांग' नहीं है, यह बात ठीक है ! मगर, बड़ी बहुरिया का तो सारा गाँव ही परिवार है । हमारे गाँव की लक्ष्मी है बड़ी बहुरिया । ... गाँव की लक्ष्मी गाँव को छोड़कर शहर कैसे जाएगी ? यों, देवर लोग हर बार आकर ले जाने की ज़िद करते हैं ।"

(i) प्रस्तुत गद्यांश का संवाद किनके बीच का है ?
- (A) हरगोबिन और बड़ी बहुरिया के भाई के बीच का
- (B) हरगोबिन और बड़ी बहुरिया की बूढ़ी माँ के बीच का
- (C) संवदिया और बड़ी बहुरिया के बीच का
- (D) हरगोबिन और संवदिया के बीच का

(ii) बूढ़ी माता के कथन में उसके मन का कौन-सा भाव प्रकट हो रहा है ?
- (A) जमीन-जायदाद का चले जाना
- (B) बेटी के अकेलेपन का दुख
- (C) तीनों देवरों का शहर में जा बसना
- (D) बेटी का कोई संरक्षक न होना

(iii) बूढ़ी माता की चिंता को हरगोबिन ने कैसे शांत किया ?
- (A) आत्म प्रशंसा करके
- (B) बड़ी हवेली का महत्त्व बताकर
- (C) बड़ी बहुरिया को सुखी बताकर
- (D) बड़ी बहुरिया को गाँव के परिवार का अंग बताकर

(iv) हरगोबिन ने बड़ी हवेली का बड़प्पन क्यों बखाना ?
- (A) बूढ़ी माता को खुश करने के लिए
- (B) अपनी झूठ बोलने की आदत दिखाने के लिए
- (C) व्यवहार कुशलता दिखाने के लिए
- (D) बोलने की अपनी चतुरता दिखाने के लिए

(v) "हमारे गाँव की लक्ष्मी है, बड़ी बहुरिया" – हरगोबिन ने ऐसा क्यों कहा ?

(A) बूढ़ी माँ को निरुत्तर करने के लिए

(B) बूढ़ी माँ को बेटी की तरफ से चिंता मुक्त करने के लिए

(C) बड़ी हवेली का महत्त्व बढ़ाने के लिए

(D) बूढ़ी माँ को बड़ी हवेली ले जाने के लिए

5. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

फरइ कि कोदव बालि सुसाली ।
मुकता प्रसव कि संबुक काली ।।
सपनेहुँ दोसक लेसु न काहू ।
मोर अभाग उदधि अवगाहू ।।
बिनु समुझें निज अघ परिपाकू ।
जारिउँ जायँ जननि कहि काकू ।।
हृदयँ हेरि हारेउँ सब ओरा ।
एकहि भाँति भलेंहि भल मोरा ।।
गुर गोसाइँ साहिब सिय रामू ।
लागत मोहि नीक परिनामू ।।

(i) काव्यांश में आए 'कोदव' का अर्थ है :

(A) मोटा चावल

(B) उत्तम अनाज

(C) सुगंधित चावल

(D) खाने योग्य चावल

(ii) कवि ने भरत के दुर्भाग्य की तुलना किससे की है ?

(A) घनघोर बादल से

(B) अथाह समुद्र से

(C) विशाल पृथ्वी से

(D) अचल नगराज से

(iii) 'जारिउँ जायँ जननि कहि काकू' का आशय है :

(A) माता की बहुत सेवा की है

(B) माता की आज्ञा का पालन नहीं किया है

(C) माता को देखने नहीं गया

(D) माता को कटुवचन कहकर बहुत सताया है

(iv) भरत स्वयं के जीवन में आने वाली स्थितियों के लिए दोषी मानते हैं :

(A) माता कैकेयी को

(B) राजा दशरथ को

(C) अपने भाग्य को

(D) दासी मंथरा को

(v) काव्यांश में किसके प्रेम का वर्णन है ?

(A) भरत का कैकेयी के प्रति

(B) राम का कौशल्या के प्रति

(C) राम का कैकेयी के प्रति

(D) भरत का राम के प्रति

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *7×1=7*

(i) "भैरों को दम के दम इतने रुपए मिल गए – अब यह मौज उड़ाएगा – ऐसा ही कोई माल मेरे हाथ भी पड़ जाता तो ज़िंदगी सफल हो जाती" – यह कथन है :

(A) भैरों का

(B) सुभागी का

(C) जगधर का

(D) बजरंगी का

(ii) "सूरदास गर्म राख में कुछ टटोल रहा था" – लेखक ने उसे अभिलाषाओं की राख क्यों कहा है ?

(A) झोंपड़ी जलकर उसका फूस राख में परिवर्तित होने के कारण

(B) ज़िंदगीभर की उसकी जमा पूँजी के नष्ट हो जाने के कारण

(C) राख में पोटली न मिलने पर उसकी अभिलाषाओं का अंत होने के कारण

(D) पोटली खोजने के प्रयास में पैर फिसल जाने से गहराई में गिर जाने के कारण

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : गाँवों का जीवन सीधा-सादा होता है ।

कारण : गाँवों में प्रकृति का स्वच्छंद और निर्मल रूप दिखाई देता है ।

विकल्प :

(A) कथन सही है, लेकिन कारण ग़लत है ।

(B) कथन ग़लत है, लेकिन कारण सही है ।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(D) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है ।

(iv) फूलों की गंध से अनेक बीमारियों से बचाव का उल्लेख :

(A) एक परंपरा है

(B) एक अंधविश्वास है

(C) एक दंतकथा है

(D) एक कही सुनी बात है

(v) नर्मदा नदी के चिढ़ने और तिनतिन-फिनफिन करके बहने का कारण था :

(A) उसके पानी का प्रदूषित हो जाना

(B) उस पर विशाल बाँध बनाया जाना

(C) उसके पानी का दोहन किया जाना

(D) उसके किनारे पर निर्माण किया जाना

(vi) 'बिस्कोहर की माटी' कथा के केंद्र में है :

(A) फूल और फल

(B) बिस्कोहर और बिसनाथ

(C) गाँव और वातावरण

(D) साँप और सब्ज़ी

(vii) स्तंभ-I में दिए गए पदों को स्तंभ-II में दिए गए प्रतीकार्थों से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

स्तंभ-I	*स्तंभ-II*
1. ओंकारेश्वर	(i) बाँध
2. गाँधी सागर	(ii) पर्वत
3. कालीसिंध	(iii) नदी
4. जानापाव	(iv) तीर्थस्थल

विकल्प :

(A) 1-(i), 2-(iii), 3-(iv), 4-(ii)

(B) 1-(iii), 2-(iv), 3-(i), 4-(ii)

(C) 1-(iv), 2-(i), 3-(iii), 4-(ii)

(D) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i), 4-(iv)

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न) **40 अंक**

(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित तीन शीर्षकों में से किसी **एक** शीर्षक पर लगभग **100** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(क) सावन का महीना

(ख) पहाड़ों पर जीवन

(ग) घटती दूरियों का संसार

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग **60** शब्दों में उत्तर लिखिए : *2×3=6*

(क) फ़ीचर लेखन में प्रारंभ, मध्य और अंत के लेखन का महत्त्व क्या है ? समझाकर लिखिए।

(ख) विशेष लेखन की भाषा और शैली पर प्रकाश डालिए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) साहित्य की अन्य विधाओं की तुलना में कविता हमारे मन को क्यों छू लेती है ?

(ख) नाटक की घटनाओं को वर्तमान में घटित होते क्यों दिखाया जाता है ?

(ग) कहानी में संवाद के लिए किस प्रकार के संवादों को महत्त्वपूर्ण माना जाता है ?

(पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

10. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) 'देवसेना का गीत' कविता के आधार पर लिखिए कि जीवन संध्या की बेला में देवसेना अपने विगत जीवन को याद कर अश्रु क्यों बहाने लगती है।

(ख) 'यह दीप अकेला' कविता में दीप के स्नेह और गर्व से भरा होने पर भी पंक्ति को देने की बात क्यों कही गई है ?

(ग) 'कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि' पद के आधार पर विद्यापति की नायिका की विरह वेदना का वर्णन कीजिए।

11. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) ''आचार्य शुक्ल के मन में हिंदी साहित्य के प्रति झुकाव का बीजारोपण उनके पिता द्वारा बचपन में ही किया गया था।'' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(ख) भीष्म साहनी का सेवाग्राम में गाँधी के साथ सान्निध्य का कैसा अनुभव था ? अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'शेर' कहानी के आधार पर लिखिए कि अहिंसावादी, न्यायप्रिय और बुद्ध का अवतार प्रतीत होने वाला शेर अपनी असलियत में क्यों आ जाता है।

12. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : *6*

(क) के पतिआ लए जाएत रे मोरा पिअतम पास ।
हिए नहि सहए असह दुख रे भेल साओन मास ।।
एकसरि भवन पिआ बिनु रे मोहि रहलो न जाए ।
सखि अनकर दुख दारुन रे जग के पतिआए ।।
मोर मन हरि हर लए गेल रे अपनो मन गेल ।
गोकुल तेजि मधुपुर बस रे कन अपजस लेल ।।

अथवा

(ख) इस शहर में धूल
धीरे-धीरे उड़ती है
धीरे-धीरे चलते हैं लोग
धीरे-धीरे बजते हैं घंटे
शाम धीरे-धीरे होती है

यह धीरे-धीरे होना
धीरे-धीरे होने की सामूहिक लय
दृढ़ता से बाँधे है समूचे शहर को
इस तरह कि कुछ भी गिरता नहीं है
कि हिलता नहीं है कुछ भी
कि जो चीज़ जहाँ थी
वहीं पर रखी है
कि गंगा वहीं है
कि वहीं पर बँधी है नाव
कि वहीं पर रखी है तुलसीदास की खड़ाऊँ
सैकड़ों बरस से

13. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी ***एक*** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(क) दुरंत जीवन-शक्ति है। कठिन उपदेश है। जीना भी एक कला है, लेकिन कला ही नहीं, तपस्या है। जियो तो प्राण ढाल दो ज़िंदगी में, मन ढाल दो जीवनरस के उपकरणों में। ठीक है, लेकिन क्यों ? क्या जीने के लिए जीना ही बड़ी बात है ? सारा संसार अपने मतलब के लिए ही तो जी रहा है। याज्ञवल्क्य बहुत बड़े ब्रह्मवादी ऋषि थे। उन्होंने अपनी पत्नी को विचित्र भाव से समझाने की कोशिश की कि सब कुछ स्वार्थ के लिए है। पुत्र के लिए पुत्र प्रिय नहीं होता, पत्नी के लिए पत्नी प्रिया नहीं होती – सब अपने मतलब के लिए प्रिय होते हैं।

अथवा

(ख) पीतल की पंचमंजिली नीलांजलि गरम हो उठी है। पुजारी नीलांजलि को गंगाजल से स्पर्श कर, हाथ में लिपटे अँगोछे को नामालूम ढंग से गीला कर लेते हैं। दूसरे यह दृश्य देखने पर मालूम होता है वे अपना संबोधन गंगाजी के गर्भ तक पहुँचा रहे हैं। पानी पर सहस्र बाती वाले दीपकों की प्रतिच्छवियाँ झिलमिला रही हैं। पूरे वातावरण में अगरु-चंदन की दिव्य सुगंध है। आरती के बाद बारी है संकल्प और मंत्रोच्चार की। भक्त आरती लेते हैं, चढ़ावा चढ़ाते हैं। स्पेशल भक्तों से पुजारी ब्राह्मण-भोज, दान, मिष्ठान की धनराशि कबुलवाते हैं। आरती के क्षण इतने भव्य और दिव्य रहे हैं कि भक्त हुज्जत नहीं करते। खुशी-खुशी दक्षिणा देते हैं। पंडित जी प्रसन्न होकर भगवान के गले से माला उतार-उतारकर यजमान के गले में डालते हैं। फिर जी खोलकर देते हैं प्रसाद, इतना कि अपना हिस्सा खाकर भी ढेर सा बच रहता है, बाँटने के लिए।

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *3*

(क) 'माँ के अंक में लिपटकर माँ का दूध पीना – जड़ के चेतन होने की यात्रा मानव जन्म लेने की सार्थकता है।' इस कथन का आशय 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

अथवा

(ख) 'अपना मालवा खाऊ ....' पाठ से उद्धृत पंक्ति 'नदी का सदानीरा रहना जीवन के स्रोत का सदा जीवित रहना है।' के संदर्भ में नदियों का जीवन में महत्त्व स्पष्ट कीजिए। मनुष्य नदियों को क्षति कैसे पहुँचा रहा है ?

अंक-योजना

पूरी तरह से गोपनीय

(केवल आंतरिक और मर्यादित उपयोग के लिए)

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट पूरक-परीक्षा, **2024**

विषय--हिंदी (ऐच्छिक) (Q.P. कोड **29/S/2**)

Series &RQPS/S

सामान्य निर्देश:-

1	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन अत्यंत महत्वपूर्ण है। आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक एवं सही मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण को प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले स्पॉट मूल्यांकन दिशा-निर्देशों को ध्यान से पढ़ें और समझें।
2	"मूल्यांकन गोपनीय प्रक्रिया है क्योंकि यह आयोजित परीक्षा के मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। इसके किसी भी तरह से जनता के बीच लीक होने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य पर असर पड़ सकता है। इस अंक-योजना को किसी के साथ साझा करने, किसी पत्रिका में प्रकाशित करने और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापने पर बोर्ड और भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न नियमों के तहत कार्रवाई हो सकती है।"
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। इसे अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। मूल्यांकन करते समय जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं, उनकी सत्यता का मूल्यांकन कर उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें, भले ही उत्तर अंक-योजना के अनुसार न हो, लेकिन परीक्षार्थी द्वारा सही योग्यता दर्शाई गई हो, उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाव-बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशा-निर्देश हैं और संपूर्ण उत्तर नहीं बनाते हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति भी हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार उचित अंक दिये जाने चाहिए।
5	मुख्य-परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर-पुस्तिकाओं को देखना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता हो तो विचार-विमर्श के बाद उसे दूर किया जाए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर-पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँगी कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।

6	जहाँ भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) अंकित करेंगे। गलत उत्तर के लिए क्रॉस (X) अंकित किया जाए।
7	यदि किसी प्रश्न के कुछ भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाहिनी ओर अंक दें। फिर प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के हाशिये में लिखा जाना चाहिए और घेरा बनाया जाना चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है तो बाएं हाथ के हाशिए में अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाना चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जाए।
9	**यदि किसी छात्र ने अतिरिक्त प्रश्न किया है तो अधिक अंक प्राप्त उत्तर मान्य हो और कम अंक आने वाले उत्तर को 'अतिरिक्त प्रश्न'–इस नोट के साथ काट दिया जाए।**
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसके लिए केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों के पूरे पैमाने 0 से 80 का उपयोग करना होगा। यदि उत्तर सही है तो कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य समय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे तक मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (स्पॉट गाइडलाइन्स में विवरण दिया गया है)।
13	सुनिश्चित करें कि अतीत में मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियाँ आप न करें- ● उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उसके किसी भाग को बिना मूल्यांकन किये छोड़ देना। ● किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंक से अधिक अंक देना। ● किसी उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। ● उत्तर पुस्तिका के अंदर के पन्नों से मुख्य पृष्ठ पर अंकों का गलत अंकन। ● आवरण पृष्ठ पर प्रश्नों के अंकों का गलत योग। ● आवरण पृष्ठ पर दो कॉलमों के अंकों का गलत योग। ● गलत कुल योग। ● शब्दों और अंकों में लिखे गए प्राप्तांकों का परस्पर मेल न खाना/समान न होना। ● उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंक-सूची में अंकों का गलत अंकन। ● उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन अंक नहीं दिए गए। ● उत्तर के आधे या कुछ भाग को सही और शेष को गलत चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।

15	किसी भी मूल्यांकित न किए गए भाग, आवरण पृष्ठ पर अंक न ले जाना, अंकों का अनुचित आबंटन या मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा की गई किसी भी अन्य त्रुटि से मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। इसलिए सभी की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले **'स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशा-निर्देश'** में दिए गए दिशा-निर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का उचित मूल्यांकन किया गया है, अंकों को आवरण पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से योग किया गया है और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।
18	परीक्षार्थी निर्धारित पुनर्मूल्यांकन शुल्क का भुगतान व अनुरोध करके उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि अंक-योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं का अनिवार्य रूप से पालन किया गया है।

प्रश्न-पत्र कोड 29/S/2

अंक-योजना पूरक-परीक्षा

हिन्दी (ऐच्छिक)

Series &RQPS/S

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

प्रश्न सं.	उत्तर-संकेत	निर्धारित अंक
	खंड-अ **(वस्तुपरक प्रश्न)**	
1	**अपठित काव्यांश पर आधारित प्रशन--** (i) (B) घोर अँधेरा (ii) (B) गाकर (iii) (A) मार्ग प्रशस्त करने के लिए अकेला ही आगे बढ़ गया। (iv) (B) वह विष पीने का आदी था। (v) (A) विघ्न बाधाओं में (vi) (B) हार नहीं स्वीकारने का (vii) (B) उपद्रवों से (viii) (A) सबके प्राण तड़पते हैं जाने-अनजाने	**8 x 1=8**
2	**अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (C) एकाकी जीवन की कठिनाइयों से बचने के लिए (ii) (B) सुख-दुख में साथ निभाना (iii) (C) दोपहर बाद की छाया	**10 x 1= 10**

	(iv) (B) संकट आते ही दुर्जन मित्र को बीच में छोड़ देते हैं। (v) (D) स्वर्गीय प्रकाश (vi) (B) दोपहर के बाद की छाया की तरह (vii) (B) बाधा उपस्थित करना (viii) (A) सच्चा मित्र संकटों के पहाड़ को दूर करता है। (ix) (A) नीचे विष ऊपर दूध से भरा कुंभ (x) (A) असमान व्यक्तियों के बीच होने वाली	
3	**अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) इन्द्रधनुषी रंगों की छटा के सामान (ii) (A) भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान रखना (iii) (B) ब्रेकिंग न्यूज़ (iv) (C) प्रभासाक्षी (v) (B) फ़ीचर	**5 x 1=5**
4	**पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) हरगोबिन और बड़ी बहुरिया की बूढ़ी माँ के बीच का (ii) (B) बेटी के अकेलेपन का दुख (iii) (D) बड़ी बहुरिया को गाँव के परिवार का अंग बताकर (iv) (A) बूढ़ी माता को खुश करने के लिए (v) (B) बूढ़ी माँ को बेटी की तरफ से चिंता मुक्त करने के लिए	**5 x 1=5**
5	**पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (A) मोटा चावल (ii) (B) अथाह समुद्र से (iii) (D) माता को कटुवचन कहकर बहुत सताया है (iv) (C) अपने भाग्य को (v) (D) भरत का राम के प्रति	**5 x 1=5**
6	**पूरक पाठ्यपुस्तक (अन्तराल) पर आधारित प्रश्न--**	**7 x 1=7**

	(i) (C) जगधर का (ii) (C) राख में पोटली न मिलने पर उसकी अभिलाषाओं का अंत होने के कारण (iii) (D) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की गलत व्याख्या करता है। (iv) (B) एक अंधविश्वास है (v) (B) उस पर विशाल बाँध बनाया जाना (vi) (B) बिस्कोहर और बिसनाथ (vii) (C) 1-(iv), 2-(i), 3-(iii), 4-(ii)	
7	**खंड –ब** **(वर्णनात्मक प्रश्न)** **(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न)** **किसी एक विषय पर 100 शब्दों में रचनात्मक लेखन--** विषयवस्तु : 3 अंक भाषा : 1 अंक प्रस्तुति : 1 अंक	**5**
8	**पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क) **प्रारंभ-** • आकर्षक, जिज्ञासापूर्ण और उत्सुकतापूर्ण **मध्य-** • रोचक, प्रवाहमयी, तथ्यात्मक, तुलनात्मक, विवरणात्मक तथा विश्लेषणात्मक **अंत-** • सहज और स्वाभाविक ढंग से आरंभ और मध्य से जोड़ते हुए प्रभावशाली अंत • भविष्य की योजनाओं की ओर संकेत (ख) **भाषा**— • सरल और बोधगम्य • क्षेत्र या विषय विशेष का विशिष्ट ज्ञान	**2 x 3=6**

	• तकनीकी शब्दावली और विषय से संबंधित भाषा • तकनीकी शब्दावली को भी प्रचलित सरल शब्दों में लिखना **शैली—** • कोई निश्चित शैली नहीं • विषय विशेष के अनुसार सामान्य से हटकर शैली	
9	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क) • कविता का संबंध संवेदना से • विचार से अधिक भाव की गहनता • आंतरिक लय और राग तत्त्व • कविता स्वानुभूतिजन्य अभिव्यक्ति (ख)• नाटक एक दृश्य विधा • नाटक में भूत या भविष्य की घटनाओं का मंचन वर्तमान में ही संभव • भूत या भविष्य की घटनाओं को केवल पढ़ा या सुना जा सकता है उन्हें घटित होते हुए नहीं देखा जा सकता (ग)• सरल और संक्षिप्त • पात्रानुकूल और भावानुकूल • सांकेतिक और सूचनात्मक • स्थिति और परिवेश के अनुकूल • सोद्देश्य • कथानक को प्रवाह देने वाले	**2x3=6**
10	**(पाठ्य- पुस्तक पर आधारित प्रश्न)** **पद्य खण्ड पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क)• स्कंदगुप्त का प्रेम पाने में असफल रहना • जीवन में संचित पूँजी (राज्य, परिवार) गँवाने के कारण • संघर्षमय जीवन से निराशा • हूणों से बदला लेने की भावना का पूरा न होना (ख)• दीप व्यक्ति और पंक्ति समाज का प्रतीक	**2 x 2=4**

	• व्यष्टि (व्यक्ति) का समष्टि (समाज) में विलय • सामाजिक सत्ता में विलय होने पर ही व्यक्तिगत सत्ता की सार्थकता • व्यक्ति के जुड़ाव से समाज का मजबूत होना • व्यक्ति के गुण समाज के लिए उपयोगी होकर ही सार्थक • व्यक्ति के विकास में समाज का महत्त्वपूर्ण योगदान (ग) • पुष्पित उपवन को देखकर आँखें मूँद लेना • कोयल की कूक और भँवरे की गुंजार सुनकर कानों को हाथों से बंद कर लेना • प्रिये को याद करके क्षण-क्षण क्षीण होना • भूमि से उठ पाने में असमर्थ, कातर दृष्टि से चारों दिशाओं में देखना	
11	**गद्य खंड पर आधारित दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित-** (क)• पिता का हिन्दी और फारसी साहित्य के प्रति लगाव • बचपन से ही परिवार में शुद्ध साहित्यिक परिवेश • रामचरितमानस, रामचंद्रिका और भारतेंदु के नाटकों का आस्वादन (ख) • गाँधी जी को प्रत्यक्ष देखने व जानने का रोमांच • गाँधी जी की सादगी, समय की पाबन्दी, संवेदनशीलता और बनावटीपन से दूर होने का प्रत्यक्ष अनुभव • गाँधी जी के अनौपचारिक, विनम्र व अपनत्व से परिपूर्ण व्यवहार का परिचय (ग) • जनता के समर्थन देने तक शेर (सत्ता) का रूप न्यायप्रिय और अहिंसावादी • प्रमाण माँगने पर शेर का असहज हो जाना • नतमस्तक जनता के समक्ष प्रमाण मांगने पर शेर का हिंसक हो जाना	**2 x 2=4**
12	**किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या--** संदर्भ – 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक कवि—विद्यापति कविता –पद **अथवा** कवि – केदारनाथ सिंह	**6**

	कविता –बनारस	
13	**किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या --** संदर्भ – 1 अंक (पाठ, लेखक का नाम) प्रसंग – 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या – 3 अंक विशेष – 1 अंक (क) पाठ—कुटज लेखक – हजारी प्रसाद द्विवेदी **अथवा** (ख) पाठ—दूसरा देवदास लेखक – ममता कालिया	**6**
14	**(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)** **किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित--** (क) • माँ और बच्चे का अप्रतिम संबंध • माँ का दूध पीना जड़ से चेतन होने की प्रक्रिया • माँ के स्पर्श, गंध और स्वाद से बच्चे का संसारिकता से संबंध होना • सांसारिक संवेदना से चेतनता का आना (ख)• जल जीवन का आधार—नदियाँ जीवनदायिनी • सभ्यता और संस्कृति की जन्मदात्री • आध्यात्मिक, आर्थिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र **क्षति:-** • नदियों को प्रदूषित कर • आवश्यकता से अधिक जल का दोहन करना (अन्य उचित बिंदु भी स्वीकार्य)	3